नवोदय विद्यालयों में अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति छात्र

69. **श्री अजीत जोगी** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में नवोदय विद्यालयों में अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति समुदाय के कितने प्रतिशत छात्रों को अब तक प्रवेश दिया गया है;

(ख) क्या उनका यह प्रतिशत इस संबंध में उनके लिए निर्धारित किये गये प्रतिशत से अधिक है या कम है, और यह कितना कम या अधिक है; और

(ग) नवोदय विद्यालयों में इन वर्गों के शिक्षकों और छात्रों को समुचित प्रतिनिधित्व दिए जाने को सुनिश्चित करने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में **शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही)** : (क) और (ख) इस योजना में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित बच्चों के पक्ष में सीटों का आरक्षण सम्बन्धित जिले में उनकी जनसंख्या के अनुपात में परिकल्पित किया गया है बशर्ते कि किसी भी जिले में ऐसा आरक्षण राष्ट्रीय औसत से कम न हो। यदि इन वर्गों में से किसी एक वर्ग के पर्याप्त संख्या में बच्चे अर्हक नहीं होते तो दोनों वर्गों के बीच में स्थानों का पारस्परिक अदला-बदली करना सम्भव होगा। परीक्षण प्रणालियों में आवश्यक कामचलाऊ प्रबंध यह सुनिश्चित करने के लिए किए जाएंगे कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बच्चे उनके निर्धारित किए गए आरक्षणों के अनुसार नवोदय विद्यालयों में प्रवेश प्राप्त कर सकें। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित छात्रों की प्रतिशतता निम्न प्रकार है :–

वर्ष	दाखिले के लिए प्रविष्ट/चुने गए छात्रों की संख्या	अनुसूचित जाति	प्रतिशतता	अनुसूचित जनजाति	प्रतिशतता
1986–87	5804	1166	20	662	11
1987–88	13804	2360	17	1602	12

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित छात्रों की प्रतिशतता क्रमशः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 15% तथा 7½% के राष्ट्रीय औसत से जरा अधिक है।

(ग) नवोदय विद्यालयों में शिक्षकों के पद पर नियुक्तियां पहली बार ही मात्र प्रतिनियुक्ति आधार पर की जा रही हैं। इस बारे में शिक्षकों तथा छात्रों के लिए प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में सरकार के विद्यमान आदेशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

दूर-दराज के तथा आदिवासी क्षेत्रों में डाक्टरों की तैनाती

70. **श्री अजीत जोगी** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा उठाये गए विभिन्न कदमों के बावजूद देश के दूर दराज के आदिवासी क्षेत्रों में डाक्टरों के पद या तो रिक्त पड़े हैं या वे डाक्टर अन्यत्र स्थानों से सम्बद्ध कर दिए गए हैं जिसके फलस्वरूप वहां रहे